बोकारो, दुर्गापुर तथा राउरकेला में हुई संयंत्र-वार प्रगति का ब्यौरा इस प्रकार है :-

(1) **बोकारो इस्पात कारखाना** : 40 लाख टन इस्पात पिण्ड/द्रव इस्पात के उत्पादन के लिए मुख्य सुविधाएं पूरी तरह से स्थापित कर ली गयी हैं । जून, 1985 में अन्तिम पांचवीं धमन भट्टी चालू कर दी गयी थी 1 दिसम्बर, 1985 में मेघाटाबुरू में लौह अयस्क की गृहीत खान को चालू कर दिया गया था। इसके अलावा दिसम्बर, 1985 में 60-60 मेगावाट के तीन गृहीत विद्युत संयंत्रों की प्रथम इकाई को भी चालू कर दिया गया था ।

(2) **दुर्गापुर इस्पात कारखाना** : 60-60 मेगावाट क्षमता के दो गृहीत विद्युत संयंत्रों का काम प्रगति पर है तथा इनकी प्रथम इकाई के जून, 1986 में चालू हो जाने की सम्भावना है । इस्पात कारखाने के आधुनिकीकरण से सम्बन्धित समर्थकारी कार्य को भी हाथ में लिया गया है ।

(3) **राउरकेला इस्पात कारखाना** : सिलिकान इस्पात परियोजना की स्थापना सम्बन्धी कार्य पूरा हो गया है । कोल्ड रोल्ड नान-ओरिएण्टेड स्टीम का कार्य शुरू कर दिया गया है तथा बिजली की सप्लाई मिलने पर कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरिएण्टेड स्टीम के परीक्षण का कार्य हाथ में लिया जाएगा । गृहीत विद्युत संयंत्र (2-60 मेगावाट) के कार्य में काफी प्रगति हुई है तथा इसकी प्रथम इकाई के सितम्बर, 1986 तक चालू हो जाने की संभावना है ।

(घ) "सेल" ने राउरकेला, दुर्गापुर तथा इण्डियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी के प्रौद्योगिकीय उन्नयन तथा आधुनिकीकरण के लिए जापान की एन.के.के. के साथ एक सहयोग समझौता किया है । एन.के.के. की विशिष्ट सिफारिशों सहित सामान्य जांच रिपोर्ट के मई-जून, 1986 तक प्राप्त हो जाने की सम्भावना है। आशा है इस सहयोग समझौते के माध्यम से "सेल" को अपने इस्पात कारखानों में जापान की लोहा तथा इस्पात बनाने की प्रौद्योगिकियों को क्रमबद्ध रूप में अपनाना संभव हो सकेगा ।

कृषि मंत्रालय में राजभाषा का प्रयोग

393. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या कृषि मंत्री 14 मार्च, 1986 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 1947 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा जारी किये गये 1985-86 के वर्ष के केन्द्र की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन संबंधी वार्षिक कार्यक्रम के पृष्ठ 10 पर इस आशय के दिये गये मद (च) की ओर दिलाया गया है कि विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के हिन्दी अनुभागों को छोड़कर वहां के कम से कम एक अनुभाग में शत प्रतिशत कार्य हिन्दी में किया जाना चाहिये ताकि अन्य अनुभाग इससे प्रेरणा ले सकें और यदि हां, तो इसे लागू न किये जाने के क्या कारण है ; और

(ख) क्या सरकार इस मद को लागू करने का विचार रखती है और यदि हां, तो कब तक और किस प्रकार ?

कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) तथा (ख) राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 1985-86 के लिए जारी किया गया वार्षिक कार्यक्रम सभी सम्बन्धितों को आवश्यक कारवाई करने के लिए भेजा गया है । हिन्दी अनुभागों को छोड़कर, जहां सारा काम हिन्दी में किया जा रहा है, मंत्रालय ने ऐसे कुछ विषयों को चुना है जिनके संबंध में कार्य केवल हिन्दी में किया जाना है । ऐसे अनुभागों का पता लगाने के भी प्रयास किये जा रहे हैं, जिनमें समूचा कार्य हिन्दी में किया जा सके।

Hazira Fertilizer Plant

394. DR. BAPU KALDATE: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether the Hazira Fertilizer Plant has run into trouble due to nonavailability of rakes;

(b) whether there is any proposal to revise the cost/estimate of the Hazira Fertilizer Plant; and

(c) if so, what are the details there of?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI BUTA SINGH): (a) The average supply of rail wagons has been less than the requirement.

(b) and (c) Yes, Sir. There is likely to be a substantia! saving in the cost of the Project, due to exemption of custom duty on import of equipment, competitive bidding and close monitoring of finances.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राजभाषा का प्रयोग

395. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री 14 मार्च, 1986 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 1946 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा जारी किये गये 1985-86 के वर्ष के केन्द्र की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन संबंधी वार्षिक कार्यक्रम के पृष्ठ 10 पर इस आशय के दिये गये मद (च) की ओर दिलाया गया है कि विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के हिन्दी अनुभागों को छोड़कर वहां के कम से कम एक अनुभाग में शत प्रतिशत कार्य हिन्दी में किया जाना चाहिए ताकि अन्य अनुभाग इससे प्रेरणा ले सकें और यदि हां, तो इसे लागू न किये जाने के क्या कारण हैं; और

(ख) क्या सरकार इस मद को लागू करने का विचार रखती है और यदि हां, तो कब तक और किस प्रकार ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री वी. एन. गाडगिल) : (क) और (ख) जी, हां । तथापि, इस मंत्रालय के किसी भी अनुभाग में शत-प्रतिशत कार्य हिन्दी में करना संभव नहीं है, क्योंकि मंत्रालय के किसी भी अनुभाग के सभी कर्मचारी न तो हिन्दी में प्रवीणता प्राप्त है और न ही हिन्दी में कार्य करने में अभ्यस्त हैं। तथापि मंत्रालय के कतिपय विषयों को विनिर्दिष्ट किया गया है जिनका निपटान करने के लिए जटिल एवं आपवादिक मामलों को छोड़कर हिन्दी में प्रवीणता प्राप्त कर्मचारियों से केवल हिन्दी का प्रयोग करने के लिए कहा गया है। उम्मीद है इससे मंत्रालय में हिन्दी के प्रयोग में प्रगति होगी ।

गंगा नदी पर निर्माणाधीन सिंचाई योजनाएं

396. **डा. बापू कालदाते** : क्या **खान संसाधन मंत्री** 28 फरवरी, 1986 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 539 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गंगा नदी पर निर्माणाधीन बड़ी और 5 छोटी सिंचाई योजनाओं के लिये योजनावार कितनी-कितनी धनराशि आवंटित की गई है ;

(ख) प्रत्येक परियोजना की प्रगति किस स्तर पर है तथा उपर्युक्त योजनाओं से कब तक सिंचाई सुविधा के उपलब्ध होने की संभावना है ;

(ग) डकरानाला पंप, चरण-1 (बिहार) का पूरा ब्यौरा क्या है ; और

(घ) क्या गंगा नदी के दियारा क्षेत्र में बड़ी संख्या में रहने वाले सीधे साधे तथा आवश्यक सुविधाओं से वंचित लोगों के पुनर्वास के लिये कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ; यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

जल संसाधन मंत्री (श्री वी. शंकरानन्द): (क) और (ख) गंगा पर 7 बृहद तथा 5